आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

औषधीय पौधों द्वारा आयवर्धन विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक : 27.07.2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आदेश एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देश पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 27.07.2022 को "औषधीय पौधों द्वारा आयवर्धन" विषय पर एक प्रशिक्षण का आयोजन वानिकी अनुसंधान एवं प्रसार केन्द्र, जदुआ, हाजीपुर, वैशाली, बिहार में किया गया जिसमे लगभग 36 प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डा. प्रभात कुमार, Assistant Professor-cum-Jr. Scientist (Pl. Pathology), Betelvine Research Centre, Islampur, Nalanda, Bihar Agriculture University, Sabour, Bhagalpur उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. आदित्य कुमार, वैज्ञानिक-ई ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए आये हुए किसानों / प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया तथा संस्थान की गतिविधियों एवं आज के प्रशिक्षण की महत्ता से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। उन्होने कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में संस्थान के निदेशक उपस्थित है तथा वक्ता के रुप में डा. प्रभात कुमार जैसे वैज्ञानिक उपलब्ध है।

संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने अपने उद्बोधन में बताया कि औषधीय पौधों का हमारे जीवन में क्या महत्व है। उन्होने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि इस कार्यक्रम के मुख्य व्याख्याता डा. प्रभात कुमार औषधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं के एक अनुभवी वैज्ञानिक हैं अत: उनके अनुभवों का आप सभी अधिक से अधिक लाभ लें। उन्होनें प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए डा. कुमार को अपनी प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया। डा. प्रभात कुमार ने औषधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं से उपस्थित किसानों/हितधारकों को अवगत कराया। उन्होने विस्तार से बताया कि औषधीय पौधों की खेती की आवश्यकता क्यों है। डा. कुमार ने विभिन्न औषधीय पौधों जैसे ब्राम्ही, सतावर, गुरमार, ग्वारपाठा, अश्वगंधा, गिलोय, कालमेघ, स्टीविया, सफेद मुसली, हड़जोड़, सर्पगंधा आदि की खेती एवं इसके औषधीय उपयोग को विस्तार से बताया। उन्होने पारंपरिक विपणन चैनल (Traditional Marketing Channel) समझाते हुए औषधीय पौधों के विपणन में सलग्न विभिन्न व्यवसायिक संस्थाओं से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। साथ ही साथ उन्होने आधुनिक विपणन चैनल (Modern Marketing Channel – e commerce) जैसे कि E.charak एवं IndiaMART के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को बताया। डा. कुमार ने बताया कि कैसे औषधीय पौधों की खेती कर अधिक से अधिक आय प्राप्त की जा सकती हैं तथा यह आय का एक अच्छा श्रोत साबित हो सकता है।

कार्यक्रम के अंत में डा. आदित्य कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संचालन में वन अनुसंधान एवं प्रसार केंद्र, जदुआ के श्री दीनानाथ पाण्डेय, श्री संजीव कुमार तथा वन उत्पादकता संस्थान, रांची के श्री सूरज कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

बांस से बनने वाली वस्तुओं के उत्पादन को दिया जायेगा बढ़ावा

- औषधीय पौधों से आयवर्धन विषय पर कार्यशाला आयोजित

हाजीपुर. वानिकी अनुसंधान एवं प्रसार केंद्र, हाजीपुर में नव निर्मित बंबू कॉमन फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन बुधवार को वन उत्पादकता संसथान, रांची के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने किया. उद्घाटन समारोह में कार्यालय पदाधिकारी डॉ आदित्य कुमार, आयुर्वेद प्रोफेसर डॉ प्रभात कुमार, वरीय तकनीकी अधिकारी दीनानाथ पांडेय, तकनीकी अधिकारी संजीव कुमार, सूरज कुमार समेत जिले के किसान, बांस कारीगर, छात्र तथा अन्य लोग उपस्थित रहे. उद्घाटन के बाद केंद्र में लगीं अगरबत्ती एवं चटाई यूनिट की मशीनों को दिखाते हुए उत्पादन से संबंधित जानकारी दी गयी. इस केंद्र में अगरबत्ती स्टिक, चटाई के लिए स्लाइस एवं अन्य बांस से बनने वाली वस्तुओं के बारे में बताया गया.

नये भवन का उद्घाटन करते निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी व अन्य.

कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम : वन उत्पादकता संस्थान, रांची के तत्वावधान में बुधवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत वानिकी अनुसंधान एवं प्रसार केंद्र में औषधीय पौधों के जरिये आयवर्धन विषय पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. बतौर मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी उपस्थित थे. मुख्य वक्ता बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के आयुर्वेद प्रोफेसर डॉ प्रभात कुमार ने विभिन्न औषधीय पौधों, ब्राह्मी, सतावर, गुरमार, ग्वारपाठा आदि की उपयोगिता, रोपण विधि एवं इसके व्यापारिक लाभ के बारे में उपस्थित प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी. डॉ आदित्य कुमार ने बांस से निर्मित उत्पादों एवं उसकी व्यापारिक संभावनाओं पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में कर्मचारियों का सक्रिय योगदान रहा.

प्रभात खबर
Thu, 28 July 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69447823